14 - ओणम

भारत को ‘त्योहारों का देश’ कहा जाता है। यहाँ वर्ष भर त्योहारों की धूम रहती है। ये त्योहार जन-जीवन में चेतना, उत्साह और एकता का संचार करते हैं।

दक्षिण भारत में केरल राज्य का एक विशेष त्योहार है - ओणम। लगातार तीन माह की भारी वर्षा के बाद आकाश स्वच्छ और चमकीला नीला हो जाता है। तालाबों, झीलों, नदियों और झरनों में जल की बहुतायत हो जाती है। कमल और लिली पूरे सौंदर्य के साथ खिलकर महक उठते हैं। फसलें पककर झूमने लगती हैं। यही समय होता है फसलों के घर आने का, झूमने और खुशियों का त्योहार ओणम मनाने का। यह श्रावण मास में मनाया जाता है। मलयालम में इस माह को ‘चिंगमासम’ कहते हैं।

‘ओणम’ के साथ राजा महाबलि की पौराणिक कथा जुड़ी है। प्राचीन काल में महाबलि नाम के राजा केरल में राज्य करते थे। उनके राज्य में चारों ओर सुख और समृद्धि फैली थी। महाबलि अत्यंत पराक्रमी थे। उन्होंने अपने पराक्रम से पृथ्वी और पाताल लोक का स्वामी बनने के बाद आकाश की ओर अधिकार बढ़ाना प्रारंभ किया। देवराज इंद्र की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने वामनरूप धारण कर महाबलि से दान में संपूर्ण पृथ्वी और आकाश माँग लिया तथा महाबलि को पाताल लोक भेज दिया। राजा महाबलि की प्रार्थना

पर प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें वर्ष में एक बार पृथ्वी पर अपने राज्य में आने का आशीर्वाद दिया। केरलवासियों का दृढ़ विश्वास है कि प्रत्येक वर्ष महाबलि 'तिरुओणम' के दिन केरल राज्य में आते हैं। इस दिन महिलाएँ उनके स्वागत के लिए अपने घरों के प्रवेशद्वार विभिन्न प्रकार से सजाती हैं और रात्रि में दीप जलाती हैं।

ओणम आनंद और उल्लास का पर्व है। यह पाँच दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन घर की लिपाई-पुताई और पास-पड़ोस को स्वच्छ किया जाता है। सब घरों के आँगन रंग-बिरंगे फूलों की गोलाकार आकृतियों (फूलचक्रों) से सजाए जाते हैं, जिसे 'पूक्कलम' कहते हैं। पूक्कलम की सजावट में परिवार के स्त्री, पुरुष, बच्चे सभी उत्साहपूर्वक योगदान देते हैं। विष्णु और महाबलि की मूर्तियों को चावल के आटे और नन्हे-नन्हे सफेद द्रोण पुष्पों से सजाया जाता है। पूक्कलम के निकट दीप रखकर इन मूर्तियों का पूजन किया जाता है।

ओणम का दूसरा दिन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होता है। इसे 'तिरुओणम' कहते हैं। 'तिरुओणम' पारिवारिक जनों के मिलन, पारस्परिक प्रेम और सहयोग का पर्व है। इस दिन बाहर गए हुए लोग परिवार में लौट आते हैं और उल्लासपूर्वक मिलजुलकर त्योहार मनाते हैं। सभी लोग नए और स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं। मध्याह्न काल में सब एक साथ बैठकर केले के पत्ते पर भोजन करते हैं। यहाँ केले के पत्ते पर भोजन करना अत्यंत पवित्र माना जाता है।

ओणम के दिनों में भोजन में विविध प्रकार के व्यंजन और पकवान सम्मिलित रहते हैं। इनमें चावल, दाल, पापड़, सांभर, खिचड़ी, उप्पेरी (पकौड़ी), पायसम् (खीर) आदि मुख्य हैं। धान, नारियल और केला केरल की मुख्य उपजें हैं। विविध पकवान और व्यंजन इन्हीं से बनाए जाते हैं।

ओणम के अवसर पर खेल और मनोरंजन के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बालिकाएँ और स्त्रियाँ ताली बजाते हुए समूह में मनमोहक नृत्य करती हैं, जिसे 'कैकोट्टिकली' नृत्य कहा जाता है। नाचते समय वे गाती हैं -

हमने घर को खूब सजाया

आओ महाबलि, आओ।

फैले सुख और शांति सभी में

सबको वर दे जाओ' .....

गाँव और नगरों में खेलकूद की अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इनमें नदियों और निकटवर्ती समुद्र में आयोजित नौका-दौड़ सर्वाधिक आकर्षित करती है। दूर-दूर

के गाँवों से सर्पाकार नौकाएं पंबा नदी के तट पर लाई जाती हैं और उनकी पूजा की जाती हैं। गाँव के सभी वर्गों के व्यक्ति विशालकाय नौकाओं में बैठते हैं। परंपरागत पोशाकें पहने नौकागीत गाते हुए सब लोग अपने चप्पू एक निश्चित ताल में एक साथ चलाते हैं। दौड़ में विजेता रही नौकाओं को पुरस्कृत किया जाता है। नौका-दौड़ को देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

माना जाता है कि 'तिरुओणम' के तीसरे दिन महाबलि अपने लोक को लौट जाते हैं। इसलिए तिरुओणम के दिन आँगन में बनाई गईं कलाकृतियाँ तीसरे दिन हटा ली जाती हैं लेकिन अगले दो दिन तक ओणम चलता रहता है। केरलवासी बीते हुए ओणम की मधुर यादों और अगले ओणम की प्रतीक्षा में पुनः खुशी से अपने कार्यों में लग जाते हैं।

अभ्यास

शब्दार्थ-

श्रावण मास = सावन का महीना

उल्लास = खुशी

मध्याह्न काल = दोपहर का समय

चेतना = प्राण

पौराणिक कथा = पुराणों से ली गयी कथा

संचार = फैलना

पराक्रमी = वीर, प्रतापी

पर्यटक = सैलानी

1. बोध प्रश्न: उत्तर दीजिए -

(क) भारत को त्योहारों का देश क्यों कहा जाता है ?

(ख) 'ओणम' कब मनाया जाता है ?

(ग) 'ओणम' के साथ कौन-सी पौराणिक घटना जुड़ी है ?

(घ) 'पूक्कलम' किसे कहते हैं और इसे कौन तैयार करते हैं ?

(ङ) नौका-दौड़ प्रतियोगिता कैसे होती है ?

(च) 'तिरुओणम' क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) दक्षिण भारत में ओणम ..... का प्रमुख त्योहार है।

(ख) यह .... मास में मनाया जाता है।

(ग) ओणम ..... और .... का पर्व है।

(घ) तिरुओणम के ... दिन ... अपने लोक लौट जाते हैं।

3. सोच-विचार: बताइए -

'ओणम' का त्योहार फसलों के घर आने के समय मनाया जाता है। बताइए कि हमारे यहाँ कौन-कौन से त्योहार फसल चक्र से जुड़े हुए हैं ?

4. भाषा के रंग -

उदाहरण के अनुसार नीचे लिखे अव्यय शब्दों को एक ही वाक्य में प्रयोग कीजिए -

यदि, तो - यदि वर्षा नहीं होती तो मैं समय से घर पहुँच जाता।

- जैसे ही, वैसे ही
- जहाँ तक, वहाँ तक
- इसलिए - क्योंकि

5. आपकी कलम से -

आपके गाँव/पड़ोस में भी कई त्योहार मनाए जाते होंगे। किसी त्योहार के बारे में अपने शब्दों में लिखिए -

- त्योहार का नाम
- मनाने का समय
- मनाने का कारण
- मनाने के तरीके
- मनाते समय सावधानियाँ

6. अब करने की बारी -

(क) अपने किसी मित्र को अपने यहाँ मनाए जाने वाले त्योहार के बारे में पत्र लिखिए।

(ख) दूसरे राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्र कीजिए।

अव्यय शब्द-

जब, तब, यहाँ, वहाँ, इधर, उधर, किंतु, परंतु, लेकिन, इसलिए, अतः, और, तथा, नीचे, ऊपर, भीतर, बाहर, कब, क्यों ..... ये शब्द हर स्थिति में अपने मूलरूप में बने रहते हैं। इनमें लिंग, वचन, पुरुष अथवा कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता है। ये अव्यय शब्द कहलाते हैं।

(ग) बड़ो की मदद से जानिए -

- केरल की राजधानी स केरल का प्रसिद्ध नृत्य
- केरल की भाषा स केरल का कोई और त्योहार
- केरल का खान-पान स केरल का प्रसिद्ध उद्योग-धंधा

(घ) अपने यहाँ किसी त्योहार में गाया जाने वाला कोई गीत लिखिए।

7. मेरे दो प्रश्न: पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए -

8. इस निबंध से -

(क) मैंने सीखा - .....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - .....

यह भी जानिए -

कलारीपयट्टू: 'कलारी' अथवा कलारीपयट्टू एक बहुत प्राचीन आत्मरक्षा कला है। यह एक असाध्ाारण मार्शल आर्ट है जो अगस्त्य मुनि की देन है। मौलिक रूप से यह कला दक्षिण भारत में विकसित हुई। इस कला में आत्मरक्षा के साथ-साथ शरीर का हर प्रकार से व्यायाम करना शामिल है ताकि पूर्ण शरीर चुस्त-दुरुस्त व ऊर्जावान रहे।